

Title: Regarding acute shortage of drinking water in Rajasthan.

श्री नरेन्द्र बुडानिया : सभापति महोदय, मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा आपके माध्यम से आपके सामने, सरकार के सामने और इस हाउस के सामने रखना चाहता हूँ। जिस वक्त प्रधान मंत्री जी ने यहां विश्वास मत प्राप्त करते वक्त अपना व्याख्यान दे रहे थे, तब उन्होंने कहा था कि अब कोई युद्ध नहीं होगा। होगा तो पीने के पानी की समस्या के समाधान के लिए चौथा युद्ध होगा। पूरे देश को ऐसा लगा था कि अब पीने के पानी जैसी समस्याओं को प्राथमिकता दी जायेगी और गांवों में जो आदमी बैठा था, जो गरीब आदमी है, जो पीने के पानी के लिए जूझता है, उसके मन में कुछ बात बैठी थी, लेकिन मैं आपके सामने यह बात कहना चाहता हूँ कि पूरे देश में पीने के पानी की समस्या है, लेकिन राजस्थान के अन्दर आज पीने के पानी की समस्या इतना भयंकर रूप धारण कर चुकी है कि लोगों के पास पीने का पानी नहीं है। राजस्थान के लोग पीने के पानी के लिए २०-२० किलोमीटर, ३०-३० किलोमीटर एक घड़ा पानी लेने के लिए वहां जाते हैं, फिर भी उनको पीने का पानी नहीं मिलता है। पीने के पानी की समस्या के समाधान के लिए बराबर राजस्थान के अन्दर सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया, चाहे वह धरने के माध्यम से किया गया, चाहे वह प्रदर्शन के माध्यम से किया गया, चाहे महिलाओं के द्वारा घड़े फोड़कर सरकार के सामने अपना दुख प्रकट किया गया। लेकिन सरकार का इस ओर बिल्कुल ध्यान नहीं है। एक गांव का व्यक्ति जब जाकर कहता है, हाथ से इशारा करके कहता है कि मैं प्यासा मर रहा हूँ, मेरे पास एक बूंद पानी पीने के लिए नहीं है, मेरी आंखों से पानी गिर रहा है, पीने का पानी नहीं है। लेकिन वहां सुनने वाला अधिकारी भी मौजूद नहीं है। राजस्थान में कांग्रेस कमेटी ने वहां पर एक तारीख को जयपुर में धरना दिया, प्रदर्शन किया, गिरफ्तारियां दीं, यह बताने के लिए कि राजस्थान सरकार की आंख खुलेगी।

लेकिन एक तारीख को इतना बड़ा प्रदर्शन करने के बाद भी और हजारों लोगों की गिरफ्तारी के बाद भी सरकार की आंख नहीं खुली।

सभापति महोदय : समाप्त करें।

श्री नरेन्द्र बुडानिया : मैं बहुत ही संक्षेप में कहना चाहता हूँ।

श्री अशोक गहलोत (जोधपुर): इन्हें कहने दें। वहां लोग बिना पानी के मर रहे हैं।

MR. CHAIRMAN : Please sum up. You are not to make any speech. You must draw the attention of the Government so that they can understand it. There is a lot of time available during the discussion on the General Budget. So many Members are waiting for an opportunity to speak.

... (Interruptions)

speak. He is on the same issue...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: I know it.

श्री नरेन्द्र बुडानिया : राजस्थान के जिस रेगिस्तानी क्षेत्र से मैं चुनकर आता हूँ, उस चुरू जिले में और उसके पास बीकानेर, नागौर, झुंझुनू तथा सीकर जिलों में पानी की समस्या बहुत विकराल है। सभापति महोदय, आप ताज्जुब करेंगे कि मेरे क्षेत्र से करीब पांच हजार लोग ४५० किलोमीटर दूर जयपुर में पानी की समस्या को लेकर राज्य सरकार से बात करने आए और यह कहने लगे कि हम प्यासे मर रहे हैं। लेकिन चुरू जिले के लोगों ने महसूस किया कि राजस्थान सरकार का मुख्य मंत्री जो गहरी नींद सो रहा है और इतने बड़े आंदोलन के बाद भी उसकी आंख नहीं खुली, उसके बजाय राज्य सरकार के मुख्य सचिव से मिला जाए। उसके बाद वे पांच हजार लोग राजस्थान के मुख्य सचिव के पास गए और कहा कि आप हमारी बात को सुन लीजिए। सभापति महोदय, मुझे कहते हुए बहुत दुख होता है कि दो मिनट के लिए भी वे उन लोगों की बात सुनने के लिए तैयार नहीं हुए। मैं आपके सामने इस अखबार को दिखाना चाहता हूँ जिसमें ७६ वर्षीय वयोवृद्ध नेता, जो राजस्थान विधान सभा का कई बार प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और वहां के वित्त मंत्री भी रह चुके हैं तथा हृदय के मरीज हैं, उनको सड़क पर लिटा रखा है और पुलिस लाठी से पीट रही है। वे लोग वहां पीने के पानी की बात करने गए थे, उन्होंने मुख्य मंत्री को ज्ञापन देने के बजाए मुख्य सचिव को देना उचित समझा इसलिए उनको मारा गया। वहां की राज्य सरकार लोगों को पानी मुहैया नहीं करा सकी, वह पूरी तरह से फेल हो चुकी है इसलिए लोगों ने मुख्य सचिव को ज्ञापन दिया। पीने के पानी को लेकर इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं। मैं आपको और सदन को आगाह करना चाहता हूँ तथा प्रधान मंत्री जी को भी आगाह करना चाहता हूँ कि यदि पानी की समस्या के ऊपर राजस्थान में ध्यान नहीं दिया गया तो वहां का किसान बाहर निकल आएगा और खून-खराबा होगा। एक तरफ किसान आत्महत्या कर रहे हैं और दूसरी तरफ पीने के पानी के लिए त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। मेरे क्षेत्र से लोग पलायन कर रहे हैं, क्षेत्र खाली हो गया है।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Now, I call Shri Bijoy Krishna Handique to speak.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: I will call you. Please cooperate with the Chair. I have given you a chance. This is 'Zero Hour'. All the Members will not be allowed during the 'Zero Hour'. I do not want the Members to say the same

thing. I will not allow it. You must understand it.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Please understand that other Members are also there to speak. Otherwise, I will adjourn the House if you do not cooperate. This is not the proper way of doing things. Without giving notice, I have given a chance to you. I will not allow you any further.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record.

(Interruptions) *

MR. CHAIRMAN: No counter argument, please. Please sit down.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Except the version of Shri Bijoy Krishna Handique, nothing will go on record.

(Interruptions) *

MR. CHAIRMAN: Please sit down. You are not supposed to give an answer.

... (Interruptions)

MR. CHAIRMAN: I will call you.

*Not Recorded.

MR. CHAIRMAN : Shri Basu, you are a senior Member. Please cooperate. This is a Zero Hour.

... (Interruptions)

SHRI ANIL BASU : Sir, you please ask the Government to call all the MPs from Rajasthan to discuss this very genuine issue...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Please hear me.

... (Interruptions)

श्री गिरधारी लाल भार्गव : माननीय मंत्री जी यहां आए हुए हैं। उनसे मिल लीजिएगा।

... (व्यवधान)

श्री मोहन सिंह : मंत्री जी राजधानी छोड़कर भाग आए हैं और लोग वहां तबाह हो रहे हैं।

... (व्यवधान)

श्री गिरधारी लाल भार्गव : यह कहना गलत है, मंत्री महोदय वहां से भाग आए हैं।

... (व्यवधान)

सच्चाई यह है कि मेरे मुख्य मंत्री सचेत हैं, मेरे मुख्य मंत्री सजग हैं, मेरे मुख्य मंत्री प्रयत्नशील हैं

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Everybody knows that drinking water is a serious issue. Our hon. Parliamentary Affairs Minister will take care of this. He will inform the Minister in-charge of Drinking Water, who will convene a meeting of all the MPs from Rajasthan. You can put your grievances before the Minister.

श्री नरेन्द्र बुडानिया : महोदय, यह राजस्थान पत्रिका है और यह मुख्य द्वार है

... (व्यवधान)

श्री गिरधारी लाल भार्गव : आप मुख्य मंत्री जी से मिल लीजिएगा, अधिकारियों से मिल लीजिएगा।

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: This is not the way to raise it. All issues are important issues. That is why we are discussing it in the Zero Hour. Without the issues being important, how can we discuss it in the Zero Hour? You are disturbing the other Members.

... (Interruptions)

श्री नरेन्द्र बुडानिया : आप मेरी डिमाण्ड तो सुन लीजिए।

...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: This is too much. Please hear me.

श्री नरेन्द्र बुडानिया : महोदय, मेरे निर्वाचन क्षेत्र में लोग ३०-३०, ४०-४० किलोमीटर दूर पानी लेने के लिए जाते हैं। अपनी मांगों को लेकर जब वे राजधानी में आए, तो उनकी निर्मम पिटाई हुई

... (व्यवधान)

श्री गिरधारी लाल भार्गव : माननीय मंत्री जी यहां आए हुए हैं, आप चाहें तो उनसे मिल लें।

... (व्यवधान)

13.54 hrs.

(Shri Narendra Budania and some other hon. members then left the House)

... (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please address the Chair.